

क्र.सं. दिनांक आज्ञा या कार्यवाही

20/4/23

पत्रावली में
की हस्ताक्षर
दिनांक 17/7/23 को पेश हो

17/7/23 पत्रावली पेश हुई पकील ~~का~~ वाकी उपर
पत्रावली पूर्णानुसार वास्तो तर्की/जवाब
दिनांक 21/9/23 को पेश हो

14/8/23
पत्रावली

पत्रावली काज वाकी द्वारा बिना
गारंटी पर उत्पन्न करने पर
तलब की गई। वाकी ने बिना
गारंटी पर उत्पन्न कर विवेक
दिनांक 14/8/23 को उक्त वाद में नएफिस
से गठ ही तय वाद की अर्ज
वाही बलान चाहते है कर अर्ज
की बिना करने के कोर्ट पर अर्ज
की सुना करे/ पकील वाकी की बिना
गारंटी पर सुना जाकर स्वीकार
किता जाता है। तय वाकी का
वाद बिना करने की स्वीकृति
ही जाती है। अतः वाकी का वाद
उत्ती कर (वाकि कितापना)
ही पत्रावली में सुना
होकर गारंटी से एक है